ये तेरी एक नज़र | by Sona Jadhav

ये तेरी एक नज़र का है मेरे श्याम असर
मौज से होता बसर मेरे श्याम

दिल की बातें मेरी होंठों ने कही
ज़िन्दगी में कोई कमी ना रही
करता तू मेरी फिकर रहता हूँ बेफिकर
मौज से होता बसर मेरे श्याम
ये तेरी एक नज़र----------

जो न सोचा था मुझे तूने दिया
मैंने हर पल तुम्हारा शुक्र किया
यूँ ही रखना मुझ पर सांवरे अपनी महर
मौज से होता बसर मेरे श्याम
ये तेरी एक नज़र----------

अब ना रहता हूँ कभी मैं गुमसुम
ज़िन्दगी बन गए जबसे मेरी तुम
भटका कुंदन दर दर अब हुआ ख़त्म सफर
मौज से होता बसर मेरे श्याम
ये तेरी एक नज़र----------

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%af%e0%a5%87-%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%8f%e0%a4%95-%e0%a4%a8%e0%a4%9c%e0%a4%bc%e0%a4%b0-by-sona-jadhav/